

26.5.23

पनामनी मेरा। कही लवारी एक रविवारी
कानुपीलिनतें, लगभ 4.30 PM तीरुता
तें, काकाळ लवाकई गई, इत जाविका,

पुनः काकाळ लवाकई गई। का-का
काकाळ लवाकई गई नी ननी वारी एक
न ही इतके कानुपीलिनतें, न ही रविवारी
लग्न या इतके कानुपीलिनतें उपलिनतें

कानः काउ एक अति मर 1972 इत
प्रदुन काउर (कानुपीलिनतें काकाळ लवारी
काकाळ लवारी के कानुपीलिनतें विना जानतें)
पनामनी के कानुपीलिनतें इतके की जाविका
ननी ल वारिका दानतें

